संचयी परीक्षा

कक्षा VIII

हिंदी

पाठ 7 क्या निराश हुआ जाए, 8 यह सबसे कठिन समय नहीं है, 9 कबीर की साखियाँ

सेट 1

1 गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्त्व नहीं दिया है, उसकी दृष्टि से मनुष्य के भीतर जो महान आंतरिक गुण स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विचार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड़ देना बहुत बुरा आचरण है। भारतवर्ष ने कभी भी उन्हें उचित नहीं माना, उन्हें सदा संयम के बंधन से बाँधकर रखने का प्रयत्न किया है। परंतु भूख की उपेक्षा नहीं की जा सकती, बीमार के लिए दवा की उपेक्षा नहीं की जा सकती, गुमराह को ठीक रास्ते पर ले जाने के उपायों की उपेक्षा नहीं की जा सकती।

क. भारतवर्ष के अनुसार क्या चरम और परम है और क्यों? 2

ख. लेखक के अनुसार बहुत बुरा आचरण क्या है? 2

ग. किन-किन चीजों की उपेक्षा नहीं की जा सकती? 2

2 काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तरवार का, पड़ा रहन दो म्यान॥
आवत गारी एक है, उलटत होई अनेक।
कह कबीर नहीं उलटिए, वही एक की एक॥
कबीर घास न नींदिये, जो पाऊँ तलि होई।
उड़ी पड़े जब आंखि में, खरी दुहेली होई॥

क. कवि ने किस उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया है कि साधु की जाति नहीं ज्ञान महत्वपूर्ण होता है? 2

ख. यदि कोई अपशब्द बोलता है तो हमें क्या करना चाहिए? 2

ग. कवि ने किसकी उपेक्षा न करने का संदेश दिया है और क्यों? 2

संचयी परीक्षा

कक्षा VIII

हिंदी

पाठ 7 क्या निराश हुआ जाए, 8 यह सबसे कठिन समय नहीं है, 9 कबीर की साखियाँ

सेट 2

काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

नहीं, यह सबसे कठिन समय नहीं!
अभी भी दबा है चिड़िया की
चोंच में तिनका
और वह उड़ने की तैयारी में है!
अभी भी झरती हुई पत्ती
थामने को बैठा है हाथ एक
अभी भी भीड़ है स्टेशन पर
अभी भी एक रेलगाड़ी जाती है
गंतव्य तक
जहाँ कोई कर रहा होगा प्रतीक्षा
अभी भी कहता है कोई किसी को
जल्दी आ जाओ कि अब
सूरज डूबने का वक्त हो गया

क. चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है? वह तिनकों का क्या करती होगी? लिखिए।

ख. स्टेशन की भीड़ और किसी का जल्दी आने के लिए कहना किस बात का संकेत करते हैं?

ग. यह कठिन समय नहीं है? यह बताने के लिए कविता में कौन-कौन से तर्क प्रस्तुत किए गए हैं? स्पष्ट कीजिए।

2 दिए गए उपसर्गों द्वारा शब्द बनाइए -

1. **प्र .....**
2. **आ .....**
3. **भर .....**
4. **बद .....**

संचयी परीक्षा

कक्षा VIII

हिंदी

पाठ 7 क्या निराश हुआ जाए, 8 यह सबसे कठिन समय नहीं है, 9 कबीर की साखियाँ

सेट 3

दिए गए प्रश्नों के उत्तर पढ़े गए पाठों के आधार पर दीजिए-

1. 'मनुवाँ तो दहुँ दिसि फिरै, यह तो सुमिरन नाहिं' के द्वारा कबीर क्या कहना चाहते हैं? 2

2. 'यह सबसे कठिन समय नहीं है'- कविता के द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है? 2

3. लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं हैं। 2 आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है?

4 'जग में बैरी कोई नहीं, जो मन सीतल होय।
या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय'॥ - साखी में कबीर ने शत्रुता दूर करने के लिए और सद्भावना पाने के लिए क्या उपाय बताया है? 2

5. दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है? 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ के आधार पर बताइए| 2

उत्तर संकेत

संचयी परीक्षा

कक्षा VIII

हिंदी

पाठ 7 क्या निराश हुआ जाए, 8 यह सबसे कठिन समय नहीं है, 9 कबीर की साखियाँ

सेट 1

1 गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क. भारतवर्ष के अनुसार क्या चरम और परम है और क्यों? 2

भारतवर्ष ने कभी भी चीज़ों को इकट्ठा करने को महत्त्व नहीं दिया है| भारतीय मनीषियों ने मनुष्य के भीतर जो गुण है उन्हें ही महत्त्व दिया है अर्थात चरम और परम माना है|

ख. लेखक के अनुसार बहुत बुरा आचरण क्या है? 2

लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विचार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं,यह बुरी बात नहीं है| लेखक के अनुसार जब हम इन दुर्गुणों के गुलाम बन जाते हैं , यह बहुत बुरा आचरण है| इन्हें हमेशा संयम से जीतने का प्रयास करना चाहिए|

ग. किन-किन चीजों की उपेक्षा नहीं की जा सकती? 2

लेखक के अनुसार भूख की, बीमार के लिए दवा की और राह से भटके हुए के लिए सही रास्ते पर लाने के उपायों की उपेक्षा नहीं की जा सकती|

2 काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. कवि ने किस उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया है कि साधु की जाति नहीं ज्ञान महत्वपूर्ण होता है? 2

कवि ने तलवार और म्यान के उदाहरण द्वारा इसे स्पष्ट किया है| कबीरदास जी कहते हैं कि जिस प्रकार तलवार खरीदते समय म्यान के नहीं तलवार के गुण देखे जाते हैं वैसे ही साधू की जाति नहीं उसका ज्ञान महत्वपूर्ण होता है|

ख. यदि कोई अपशब्द बोलता है तो हमें क्या करना चाहिए? 2

कोई अपशब्द बोलता है तो हमें चुप रहना चाहिए | अपशब्द का जवाब अपशब्द में दिया जाए तो बदले में कई अपशब्द हमारी ओर आते हैं और पलटकर जवाब न दिया जाए तो यह सिलसिला यहीं रुक जाता है|

ग. कवि ने किसकी उपेक्षा न करने का संदेश दिया है और क्यों? 2

कबीर दास जी ने पाँव के नीचे दबी घास का उदाहरण देते हुए दीन-हीन को न सताने का संदेश दिया है | उनका मानना है कि जिस तरह से पाँव के नीचे दबी घास का तिनका यदि आँख में गिर जाए तो असीम पीड़ा का कारण बनाता है वैसे ही यदि हम दीन-हीन को सताते हैं तो उनका प्रतिकार भी हमारे लिए दुखदायी हो सकता है|

संचयी परीक्षा

कक्षा VIII

हिंदी

पाठ 7 क्या निराश हुआ जाए, 8 यह सबसे कठिन समय नहीं है, 9 कबीर की साखियाँ

सेट 2

काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क. चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है? वह तिनकों का क्या करती होगी? लिखिए।

चिड़िया अपने लिए घोंसला बनाना चाहती है। इसलिए चिड़िया अपनी चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में है।

ख. स्टेशन की भीड़ और किसी का जल्दी आने के लिए कहना किस बात का संकेत करते हैं?

स्टेशन की भीड़ और किसी का जल्दी आने के लिए कहना इस बात का संकेत करते हैं कि लोग आशावान है और जीवन के प्रति उम्मीद रखते हैं|

ग. यह कठिन समय नहीं है? यह बताने के लिए कविता में कौन-कौन से तर्क प्रस्तुत किए गए हैं? स्पष्ट कीजिए।

- चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में है
- एक हाथ झड़ती हुई पत्ती को थामने के लिए बैठा है।
- अभी भी एक रेलगाड़ी गंतव्य तक जाती है।

2 दिए गए उपसर्गों द्वारा शब्द बनाइए -

1. प्र ..... प्र + योग = प्रयोग
2. आ ..... आ + योग = आयोग
3. भर ..... भर + पेट = भरपेट
4. बद ..... बद + हाल = बदहाल

संचयी परीक्षा

कक्षा VIII

हिंदी

पाठ 7 क्या निराश हुआ जाए, 8 यह सबसे कठिन समय नहीं है, 9 कबीर की साखियाँ

सेट 3

दिए गए प्रश्नों के उत्तर पढ़े गए पाठों के आधार पर दीजिए-

1. 'मनुवाँ तो दहुँ दिसि फिरै, यह तो सुमिरन नाहिं' के द्वारा कबीर क्या कहना चाहते हैं? 2

केवल माला जपने से या मुँह से राम नाम का जाप करने से ही ईश्वर की प्राप्ति नहीं होती है। बल्कि ईश्वर की भक्ति के लिए एकाग्रचित होना आवश्यक है। यदि हमारा मन चारों दिशाओं में भटक रहा है और मुख से हरि का नाम ले रहे हैं तो वह सच्ची भक्ति नहीं है। यह केवल दिखावा है।

2. 'यह सबसे कठिन समय नहीं है'- कविता के द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है? 2

यह बताने के लिए कवि ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं-

(i) अभी भी चिड़िया की चोंच में तिनका दबा है।

(ii) एक हाथ झड़ती हुई पत्ती को थामने के लिए बैठा है।

(iii) अभी भी एक रेलगाड़ी गंतव्य तक जाती है।

(iv) कथा का अखिरी हिस्सा बूढ़ी नानी सुना रही है जिसमें अभी भी एक बस अंतरिक्ष के पार की दुनिया से बचे हुए लोगों की खबर लाएगी।

(v) अभी भी कोई किसी को कहता है कि जल्दी आ जाओ, सूरज डूबने का समय हो चला है।

3. लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं हैं। 2 आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है?

यहाँ लेखक का आशावादी व्यक्तित्व सामने आता है। जहाँ तक लेखक ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों का वर्णन किया है, लेखक ने धोखा भी खाया है। पर उसका मानना है कि अगर वो इन धोखों को याद रखेगा तो उसके लिए विश्वास करना बेहद कष्टकारी होगा और इसके साथ-साथ ये उन लोगों पर अंगुली उठाएगा जो आज भी ईमानदारी व मनुष्यता के सजीव उदाहरण हैं। यहीं लेखक का आशावादी होना उजागर होता है और उन्हीं लोगों का सम्मान करते हुए उनकी उपेक्षा नहीं करना चाहता जिन्होनें कठिन समय में उसकी मदद की है। सही मायने में यह बात एकदम उचित है और यही कारण है कि वो अभी भी निराश नहीं है।

4 'जग में बैरी कोई नहीं, जो मन सीतल होय।

या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय'॥ - साखी में कबीर ने शत्रुता दूर करने के लिए और सद्भावना पाने के लिए क्या उपाय बताया है? 2

कबीर जी कहते हैं कि जिस मनुष्य का मन शांत होता है, दुनिया में उसका कोई शत्रु नहीं हो सकता है। यदि दुनिया का हर मनुष्य आपा अर्थात अहंकार व स्वार्थ, क्रोध जैसी भावनाओं का त्याग कर दे, तो वो दयालु और महान बन सकता है।

5. दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है? 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ के आधार पर बताइए| 2

लेखक के अनुसार, दोषों का पर्दाफ़ाश करना बुरी बात नहीं होती है। परन्तु, इसमें बुराई तब सम्मिलित हो जाती है जब हम किसी के आचरण के गलत पक्ष को उद्घाटित करके उसमें रस लेते है। हम यह नहीं समझते कि बुराई समान रूप से हम सबमें विद्यमान है। यह भूलकर हम किसी की बुराई में रस लेना आरम्भ कर देते हैं और अपना मनोरंजन करने लग जाते हैं। परन्तु, सबसे बुरा तब होता है जब हम उसकी बुराई में तो रस ले लेते हैं पर अच्छाई को भुला देते हैं।